International Journal of Contemporary Research In Multidisciplinary

शोध पत्र

माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की उनकी शिक्षण योग्यता के संबंध में शिक्षक प्रभावशीलता

रेखा रानी[1] और डॉ. कौशल शर्मा[2]

[1,2]शिक्षा विभाग आईआईएमटी विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author: *रेखा रानी

सार

शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक सबसे आवश्यक है और वह स्कूली शिक्षा के विकास में सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है। शिक्षण और सीखने की प्रगति में शिक्षक की शिक्षण योग्यता एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। अध्ययन का उद्देश्य शिक्षक प्रभावशीलता और शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के बीच संबंध का पता लगाना था। नमूने में उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले का धामपुर शहर के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत चार सौ माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक शामिल थे, जिन्हें सरल यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक द्वारा चयन किया गया था। तैयार की गई परिकल्पनाओं की जांच के लिए 'टी' परीक्षण सांख्यिकीय प्रक्रियाएं लागू की गईं। सहसंबंध परिणाम माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता और शिक्षण योग्यता के बीच महत्वपूर्ण संबंध को दर्शाता है और 'टी' परीक्षण सांख्यिकीय प्रक्रियाओं से लिंग और स्कूल प्रबंधन के प्रकार के कारक शिक्षण में प्रभावशीलता पर प्रभाव डालते हैं।

पुरुष शिक्षकों की तुलना में महिला शिक्षकों की शिक्षण में प्रभावशीलता अधिक थी और निजी सहायता प्राप्त और सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की तुलना में निजी गैर–सहायता प्राप्त स्कूल के शिक्षकों की प्रभावशीलता अधिक थी। अध्ययन से पता चलता है कि शिक्षकों की प्रभावशीलता में सुधार के लिए अच्छी तरह से पर्यवेक्षित प्रथाओं के माध्यम से शिक्षकों के बीच योग्यता कौशल विकसित करने पर और अधिक ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

Manuscript Information

- **ISSN No:** 2583-7397
- **Received:** 09-06-2024
- **Accepted:** 12-07-2024
- **Published:** 19-07-2024
- **IJCRM:**3(4); 2024: 55-57
- **©2024, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

How to Cite this Manuscript

रेखा रानी, डॉ. कौशल शर्मा. माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की उनकी शिक्षण योग्यता के संबंध में शिक्षक प्रभावशीलता. International Journal of Contemporary Research in Multidisciplinary.2024; 3(4): 55-57.

कीवर्ड: टी' परीक्षण, स्कूल प्रबंधन, शिक्षक समूह, शिक्षण योग्यता

परिचय:

ऐसे कई खंड हैं जो अच्छे प्रशिक्षण के विचार को प्रभावित करते हैं और सामग्री की गुणवत्ता, क्षमता और शिक्षक के चरित्र की प्रगति को जोड़ते हैं, विशेष रूप से बुनियादी हैं। छात्रों की प्रतिबद्धता को आकार देने में शिक्षकों की भूमिका प्रशिक्षण के उद्देश्य पर निर्भर करती है। ठोस रूप से शिक्षा का उद्देश्य उपयोगी, गतिशील और अबाधित सुधार और पहचान की प्रगति है। एक शिक्षक शिक्षण ढांचे में बहुत बड़ा कारक है, यह मौलिक है कि उसके पास विशिष्ट क्षमता होनी चाहिए और अपने व्यवसाय की प्रतिबद्धता को वैध बनाना चाहिए। जैसा कि ग्रेट (1959) [3] द्वारा दिखाया गया है, प्रभावशीलता को ''उसकी स्थिति की संभावना द्वारा उसके भेद और मांग में तय किए गए निर्देशात्मक और विशिष्ट प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में एक शिक्षक की उपलब्धि के स्तर'' के रूप में दिखाया गया है। ''एक योग्यता एक विशिष्ट स्तर पर एक विशिष्ट प्रकार के कार्य के लिए योग्यता का एक आंतरिक, प्राप्त, सीखा या निर्मित खंड है।'' योग्यता, समझ पाने या प्रदर्शन करने के संबंध में जन्मजात सीमा का अनुमान लगाती है। [1]

योग्यता एक विशेष स्तर पर एक विशेष प्रकार का कार्य करने की योग्यता का एक हिस्सा है, जिसे इसी प्रकार 'क्षमता' माना जा सकता है। योग्यता किसी चीज को पूरा करने की एक ट्रेडमार्क क्षमता है।[5] योग्यता दिखाना एक निश्चित माप के साथ तैयार होने की क्षमता या महारत हासिल करने की क्षमता है। शिक्षकों के लिए अपना काम कुशलता से करने और अपनी प्रतिबद्धता को उचित ढंग से निभाने के लिए योग्यता दिखाना आवश्यक है। यह शिक्षक प्रभावशीलता के महत्वपूर्ण निर्धारकों में से एक है। भसीन (1988) [2] ने विचार किया कि योग्यता दिखाने का शिक्षक समूह की भागीदारी से कोई त्वरित संबंध नहीं है। काहलों और सैनी (1989) [4] ने पाया कि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का निर्देशन शैक्षिक योग्यता में परिवर्तन को प्रभावित करता है। विक्टर (2012) [6] का मानना है कि महिला शिक्षकों में अपने सहयोगी पुरुष शिक्षकों की तुलना में अधिक योग्यता होती है। सीतारमन (2013) [8] का मानना है कि शिक्षक की प्रभावशीलता और योग्यता दिखाना निश्चित रूप से और बहुत ही बुनियादी स्तर पर संबंधित हैं।

© 2024 रेखा रानी, डॉ. कौशल शर्मा. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND). https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्वः–

शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए बिताए गए समय के बीच शिक्षक ही सबसे महत्वपूर्ण चरण है। यदि वह सक्षम, सच्चा, समर्पित व्यक्ति है तो हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राष्ट्र का भविष्य उसकी मुट्ठी में है और वह एक महान नागरिक बन सकता है। एक शिक्षक के पास छात्रों के साथ व्यवहार करने और उन्हें मानव विकास की ऊंचाइयों को छूने के लिए जागृत करने और देश के विश्वसनीय नागरिक बनने और समग्र आबादी की वास्तविक तरीके से सेवा करने के लिए उत्कृष्ट व्यक्ति बनने के लिए रचनात्मक योग्यता होनी चाहिए। शिक्षक का निष्पादन, उसकी योग्यता और पुष्टि पर, बोलने के तरीके में, अप्रत्याशित है। शिक्षक की योग्यता स्थानापन्न के निष्पादन और निर्देशन को प्रभावित करती है। शिक्षक प्रशिक्षण के विचार को विभिन्न तकनीकों द्वारा उन्नत किया जा सकता है, जैसे कि शिक्षाप्रद परियोजनाओं में सुधार करना, शिक्षा देने के काम को उन्नत करना इत्यादि, सबसे मौलिक हर दृष्टिकोण से निर्देश देने की योग्यता है। इस प्रकार, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की योग्यता दिखाने पर पर्याप्त ध्यान देना महत्वपूर्ण है। अब से शिक्षक प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों के लिए माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को चुनने के लिए योग्यता परीक्षा का होना बुनियादी है।

इस प्रकार, योग्यता दिखाने से तेजी से आगे बढ़ने वाले शिक्षक असामान्य शक्ति और प्रभावशालीता के साथ व्यावहारिक रूप से निर्देश दे पाते हैं। इस प्रकार, देश के लिए एक विशाल और विकासशील शिक्षाप्रद संरचना की सच्ची नीली चिंता के आलोक में, यह बहुत बड़ी बात है कि शिक्षकों का आश्वासन उनकी शैक्षणिक योग्यता की शुरुआत में ही दिया जाना चाहिए। यदि व्यवस्थित शिक्षकों में आकर्षक क्रेडिट अर्जित करना है, तो उन्हें इन गुणों के लिए योग्यता की आवश्यकता होती है। योग्यता के बिना, इन गुणों को आवश्यक स्तर तक नहीं बनाया जा सकता है। इस प्रकार, प्रभावी शिक्षण के लिए योग्यता दिखाना एक मूलभूत आधार है। परीक्षा को चलाने की प्रेरणा माध्यमिक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता और उनकी शिक्षण योग्यता के बीच संबंध को जानना और इसके अलावा शिक्षक प्रभावशीलता पर कुछ चर के प्रभाव का पता लगाना है।

उद्देश्यः–

1. माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का एहसास करना।
2. शिक्षकों की शिक्षण योग्यता का आकलन करना।
3. शिक्षक प्रभावशीलता और शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के बीच महत्वपूर्ण संबंध को उजागर करना।
4. लिंग और संस्था के प्रकार के कारण शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में महत्वपूर्ण अंतर की खोज करना।

परिकल्पनाओं का कथनः–

1. माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता और शिक्षण योग्यता के बीच महत्वपूर्ण संबंध मौजूद है।
2. माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में उनके लिंग और संस्थान के प्रकार के संदर्भ में महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है।

कार्यप्रणालीः–

अध्ययन को वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि के रूप में चुना गया था। अध्ययन की जनसंख्या में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक शामिल थे। नमूने में सरल यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग करके उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले का धामपुर शहर के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत चार सौ माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक शामिल थे। शोधकर्ता ने कुलसुम द्वारा विकसित और मानकीकृत शिक्षक प्रभावशीलता स्केल (2006) और दहिया और सिंह द्वारा टीचिंग एप्टीट्यूड टेस्ट (2004) नामक दो पैमानों का चयन किया, जिन्हें जानकारी एकत्र करने के लिए नियोजित किया गया था। एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण उपयुक्त सांख्यिकीय तकनीकों जैसे प्रतिशत, माध्य, मानक विचलन, सहसंबंध, स्वतंत्र ''टी, परीक्षण का उपयोग करके किया गया था।

अध्ययन के परिणामः–

तालिका–1:– शिक्षक प्रभावशीलता के स्तर।

शिक्षक प्रभावशीलता	एन	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
अप्रभावी	72	18-0%	18-0%
औसत	308	77-0%	95-0%
प्रभावी	20	5-0%	100-0%

तालिका–1 दर्शाती है कि 5 % शिक्षक शिक्षण में प्रभावी तथा 77% शिक्षक औसत तथा केवल 18% शिक्षक शिक्षण में अप्रभावी प्रदर्शित करते हैं।

तालिका–2:– शिक्षण योग्यता के स्तर

शिक्षक प्रभावशीलता	एन	प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
अच्छा	32	8-0%	8-0%
औसत	316	79-0%	87-0%
खराब	52	13-0%	100-0 %

तालिका–2 दर्शाती है कि 79% शिक्षकों ने शिक्षण में औसत योग्यता व्यक्त की, 8% शिक्षकों ने अच्छी योग्यता व्यक्त की और केवल 13% शिक्षकों ने शिक्षण में खराब योग्यता स्तर व्यक्त किया।

तालिका–3:– शिक्षक प्रभावशीलता और शिक्षण योग्यता से संबंधित सहसंबंध विश्लेषण से संबंधित परिणाम।

आश्रित	स्वतंत्र	'आर' मान और महत्वपूर्ण स्तर
शिक्षक प्रभावशीलता	शिक्षण योग्यता	0.462

तालिका–3 से पता चला कि, प्राप्त भआर मान 0.462, विश्वास के 0.01 स्तर पर तालिका मान 0.254 से अधिक है। इसलिए, बताई गई परिकल्पना ''माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता और शिक्षण योग्यता के बीच महत्वपूर्ण संबंध मौजूद है'' को स्वीकार कर लिया गया। चयनित चरों का सकारात्मक संबंध है। परिणाम यह निष्कर्ष निकालता है कि जिन शिक्षकों में शिक्षण योग्यता का स्तर उच्च था, उनमें शिक्षक प्रभावशीलता बेहतर थी और इसका विपरीत भी हुआ।

तालिका–4:– माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की लिंग भिन्नता के कारण शिक्षक प्रभावशीलता

परिवर्तनीय	समूह	संख्या	माध्य स्कोर	मानक विचलन	'टी' मान और महत्वपूर्ण स्तर
लिंग	पुरुष	104	329.307	80.791	3.25
	महिला	296	393.567	101.122	

तालिका–4 से स्पष्ट है, प्राप्त ''टी मान 3.25, विश्वास के 0.01 स्तर पर तालिका मान 2.63 से अधिक है। इसलिए, उक्त चर के लिए बताई गई परिकल्पना स्वीकार की जाती है कि पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच शिक्षक प्रभावशीलता में महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है। शिक्षण की प्रभावशीलता में पुरुष शिक्षकों की तुलना में महिला शिक्षक अधिक प्रभावी थीं।

अध्ययन के प्रमुख निष्कर्षः–

1. शिक्षक प्रभावशीलता और शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के बीच महत्वपूर्ण संबंध मौजूद है।
2. पुरुष और महिला शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है।
3. विभिन्न प्रकार के विद्यालय प्रबंधन में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है।

निष्कर्षः–

वर्तमान जांच से यह प्रदर्शित होता है कि, शिक्षण के प्रति शिक्षकों की योग्यता उनके शिक्षक प्रभावशीलता से सकारात्मक रूप से संबंधित थी। शिक्षण योग्यता और शिक्षक प्रभावशीलता एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। वर्तमान जांच से पता चलता है कि योग्यता शिक्षण की प्रभावशीलता को बढ़ाती है। अध्ययन से अतिरिक्त रूप से पता चला 'टी' परीक्षण विश्लेषण से पता चला कि लिंग के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है शिक्षकों की प्रभावशीलता एवं योग्यता औसत स्तर पर है। यह आवश्यक है कि शिक्षक प्रभावशीलता में सुधार

© 2024 रेखा रानी, डॉ. कौशल शर्मा. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND). https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

के लिए एकीकरण सूचना कार्यक्रम और अभ्यास आयोजित किए जाएं और शिक्षण योग्यता को उन्नत करने के लिए कार्यक्रम, कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम तैयार करने के लिए अतिरिक्त यथार्थवादी परिचय कार्यक्रम और विभेदक योग्यता परीक्षण आयोजित किए जाएं। शिक्षकों के लिए कार्यशालाओं, पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों और सेमिनारों को मौलिक रूप से बढ़ाया जाना चाहिए ताकि उन्हें अपने संबंधित विषयों में जानकारी के बराबर रखा जा सके।

सन्दर्भः–

1. बाबू, के.बी. और राव, डी.बी.(2007)। प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता. सोनाली प्रकाशनः नई दिल्ली।
2. भसीन, सी. (1988)। शिक्षण योग्यता और उच्चतर माध्यमिक की शिक्षण प्रभावशीलता के साथ इसका संबंध
3. अच्छा, सी.वी. (1959)। डिक्शनरी ऑफ एजुकेशन न्यूयॉर्कः मैकग्रा हिल बुक कंपनी।
4. काहलों, एस.पी. और सैनी, एस.के. (1989)। शिक्षण योग्यता पर शिक्षक शिक्षा का प्रभाव। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, शिक्षा स्नातक, पंजाब।
5. पंड्या, आर.के.(1993)। कुछ मनोवैज्ञानिक चर के संदर्भ में गुजरात राज्य के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता का एक अध्ययन। पीएच. डी., शिक्षा, सरदार पटेल विश्वविद्यालय।
6. सैमसन. आर. विक्टर एप्टीट्यूड एंड एकेडमिक ट्रेनिंग फॉर टीचर डेवलपमेंट इन एल्ट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिहेवियरल सोशल एंड मूवमेंट साइंसेज, अप्रैल 2012, वॉल्यूम.01 (2): 117–124।
7. आधुनिक समुदाय के संबंध में स्कूल शिक्षक। पीएच.डी., शिक्षा, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय।
8. सीतारमन ''बी.एड छात्र शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता उनकी शिक्षण योग्यता और शैक्षणिक प्रदर्शन से संबंधित है'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशनल रिसर्च (IJTER) सितंबर, 2013, वॉल्यूम 2: (9): 10–19।

Creative Commons (CC) License
This article is an open access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.

© 2024 रेखा रानी, डॉ. कौशल शर्मा. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND). https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/